पत्र सूचना शाखा
सूचना एवं जनसम्पर्क विभाग उ०प्र०
(राज्यपाल सूचना परिसर)

राज्यपाल की अध्यक्षता में महात्मा ज्योतिबा फुले रूहेलखंड विश्वविद्यालय, बरेली का स्वर्ण जयंती समारोह संपन्न

गर्भ संस्कार से संबंधित कार्यक्रम आयोजित करने तथा बेटियों के स्वास्थ्य जागरूकता संबंधी व्याख्यान आयोजित करने का निर्देश

बाल विवाह और दहेज प्रथा जैसी सामाजिक कुरीतियों के खिलाफ जागरूकता फैलाने के लिए विश्वविद्यालयों और महाविद्यालयों को साइकिल रैली निकालने का निर्देश

भारत की ज्ञान परंपरा तक्षशिला, नालंदा तथा विक्रमशिला जैसे विश्वविद्यालयों की विरासत से समृद्ध रही है

विश्वविद्यालय को नैक मूल्यांकन में प्राप्त उच्चतम ग्रेडिंग और विश्वविद्यालय अनुदान आयोग से मिली कैटेगरी-1 की मान्यता गर्व का विषय

युवा शक्ति राष्ट्र निर्माण की धुरी

नैक, वर्ल्ड रैंकिंग तथा एन0आई0आर0एफ0 में और बेहतर प्रदर्शन के लिए अग्रिम तैयारी करे विश्वविद्यालय

समाज को लाभ पहुंचाने वाले कार्यों को और अधिक प्राथमिकता देने की आवश्यकता

विद्यार्थियों को समाज में जागरूकता फैलाने के लिए आगे आना चाहिए और स्वयं संकल्प लेना चाहिए कि वे न दहेज लेंगे और न ही इसका समर्थन करेंगे

-राज्यपाल, श्रीमती आनंदीबेन पटेल

लखनऊः 15 फरवरी, 2025

प्रदेश की राज्यपाल तथा राज्य विश्वविद्यालयों की कुलाधिपति श्रीमती आनंदीबेन पटेल की अध्यक्षता में आज महात्मा ज्योतिबा फुले रूहेलखंड विश्वविद्यालय, बरेली का स्वर्ण जयंती समारोह सम्पन्न हुआ। कार्यक्रम में राज्यपाल जी वर्चुअली शामिल हुईं। इस अवसर पर उन्होंने विश्वविद्यालय के स्वर्ण जयन्ती द्वार का उद्घाटन किया तथा विश्वविद्यालय की स्वर्ण जयन्ती स्मारिका का विमोचन भी किया। कार्यक्रम में विश्वविद्यालय के विद्यार्थियों को उत्कृष्ट अकादमिक प्रदर्शन हेतु उपाधियाँ, पदक तथा खेल क्षेत्र में उत्कृष्ट उपलब्धियों के लिए पुरस्कार प्रदान किए गए।

इस अवसर पर राज्यपाल जी ने अपने उद्बोधन में कहा कि विश्वविद्यालय का स्वर्ण जयंती वर्ष केवल अतीत की उपलब्धियों का उत्सव ही नहीं, बल्कि भविष्य की दिशा तय करने का भी अवसर है। उन्होंने कहा कि शिक्षा किसी भी राष्ट्र के विकास में महत्वपूर्ण भूमिका निभाती है और भारत की ज्ञान परंपरा तक्षशिला, नालंदा तथा विक्रमशिला जैसे विश्वविद्यालयों की विरासत से समृद्ध रही है।

उन्होंने विश्वविद्यालय में राष्ट्रीय शिक्षा नीति-2020 के सफल क्रियान्वयन की सराहना की तथा पी0एच0डी0 छात्रों की संख्या में हुई पांच गुना वृद्धि को एक उल्लेखनीय उपलब्धि बताया। उन्होंने रोजगार सृजन हेतु रूहेलखंड इंक्यूबेशन फाउंडेशन की स्थापना को भी सराहा, जिसके अंतर्गत 60 से अधिक स्टार्टअप सफलतापूर्वक संचालित हो रहे हैं।

राज्यपाल जी ने बताया कि विश्वविद्यालय ने बहुविषयक शिक्षा, महिला सशक्तिकरण, विदेशी भाषाओं के अध्ययन एवं अंतरराष्ट्रीय संबंधों को सुदृढ़ करने के उद्देश्य से विभिन्न निदेशालयों एवं केंद्रों की स्थापना की है। उन्होंने विश्वविद्यालय को नैक मूल्यांकन में प्राप्त उच्चतम ग्रेडिंग ए प्लस प्लस और विश्वविद्यालय अनुदान आयोग से मिली कैटेगरी-1 की मान्यता को भी गर्व का विषय बताया।

उन्होंने यह भी उल्लेख किया कि विश्वविद्यालय को पीएम-उषा प्रोजेक्ट के अंतर्गत 100 करोड़ रुपये की ग्रांट प्राप्त हुई है, जो बुनियादी ढांचे के विकास में सहायक होगी। साथ ही, शैक्षणिक सत्र 2024-25 में 50 से अधिक विदेशी छात्रों ने प्रवेश लिया है, जिससे विश्वविद्यालय का वैश्विक स्तर पर प्रभाव बढ़ रहा है।

राज्यपाल जी ने भारत की बढ़ती अर्थव्यवस्था, वैश्विक निवेश के लिए भारत की पसंदीदा स्थिति तथा प्रधानमंत्री श्री नरेंद्र मोदी जी के नेतृत्व में हो रहे परिवर्तनकारी प्रयासों की चर्चा करते हुए कहा कि युवा शक्ति राष्ट्र निर्माण की धुरी है। उन्होंने सरकार द्वारा शिक्षा क्षेत्र में बजट वृद्धि, प्रयोगशालाओं की स्थापना, डिजिटल पुस्तकों के लिए भारतीय भाषा पुस्तक योजना, आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस उत्कृष्टता केंद्र तथा ज्ञान भारतम् मिशन जैसी योजनाओं का उल्लेख किया।

उन्होंने कहा कि विश्वविद्यालय अपने 50वें वर्ष में नई ऊंचाइयों की ओर अग्रसर हो रहा है और इसके भविष्य को और अधिक उज्ज्वल बनाने के लिए हमें सतत प्रयास करने होंगे। उन्होंने विश्वास व्यक्त किया कि विश्वविद्यालय अपनी शैक्षणिक एवं शोध यात्रा को निरंतर आगे बढ़ाएगा तथा वैश्विक स्तर पर अपनी प्रतिष्ठा स्थापित करेगा

उन्होंने कहा कि भारत सरकार उच्च शिक्षा के क्षेत्र में जो योजनाएं ला रही है, उनका लाभ उत्तर प्रदेश के विश्वविद्यालयों को उठाना चाहिए और इन योजनाओं के माध्यम से विद्यार्थियों को अधिक से अधिक अवसर प्रदान किए जाने चाहिए। उन्होंने विश्वविद्यालय को नैक, वर्ल्ड रैंकिंग तथा एन0आई0आर0एफ0 में और बेहतर प्रदर्शन के लिए अग्रिम तैयारी करने का निदेश दिया।

उन्होंने ने सामाजिक सरोकारों से जुड़े कार्यों को बढ़ाने पर विशेष जोर देते हुए कहा कि विश्वविद्यालय आंगनबाड़ी केंद्रों के उत्थान के लिए सराहनीय कार्य कर रहा है, जिसे और वृहद स्तर पर विस्तार देना चाहिए। इसके अलावा, टी0वी0 मुक्त भारत अभियान को आगे बढ़ाने और समाज को लाभ पहुंचाने वाले कार्यों को और अधिक प्राथमिकता देने की आवश्यकता है।

उन्होंने कहा कि बेटियों को स्वास्थ्य संबंधी प्रशिक्षण देने की आवश्यकता है ताकि वे स्वस्थ रहें और भविष्य में स्वस्थ बच्चों को जन्म दें, जिससे भारत के विकास में योगदान मिलेगा। इस संदर्भ में, उन्होंने विश्वविद्यालय को गर्भ संस्कार से संबंधित कार्यक्रम आयोजित करने तथा स्वास्थ्य जागरूकता संबंधी व्याख्यान आयोजित करने का निर्देश दिया।

राज्यपाल जी ने विश्वविद्यालय द्वारा अपनाए गए दिव्यांग स्कूल की सराहना करते हुए कहा कि जनपद में दिव्यांग बच्चों का सर्वेक्षण कर यह पता लगाने का प्रयास किया जाना चाहिए कि दिव्यांग बच्चों के जन्म में वृद्धि हुई है या कमी आई है। इस आंकड़े को बेटियों को दिखाकर उन्हें जागरूक किया जाना चाहिए कि स्वस्थ जीवनशैली अपनाने से ही स्वस्थ संतानों का जन्म संभव होगा। इसके अलावा, उन्होंने दिव्यांग बच्चों से संबंधित शोध करने और इसे स्कूलों एवं कॉलेजों तक पहुंचाने के निर्देश दिए।

उन्होंने कहा कि विश्वविद्यालय द्वारा अन्य शिक्षण संस्थानों के साथ किए गए समझौतों (एम0ओ0यू0) को केवल कागजों तक सीमित नहीं रखा जाना चाहिए, बल्कि उनका धरातल पर प्रभावी क्रियान्वयन सुनिश्चित किया जाना चाहिए। उन्होंने गोवा सम्मेलन में हुए अन्य विश्वविद्यालयां के साथ एम0ओ0यू0 का उल्लेख करते हुए कहा कि इसका लाभ विश्वविद्यालय और विद्यार्थियों को मिलना चाहिए।

उन्होंने विश्वविद्यालय को 10 साल का विजन बनाकर कार्य करने की सराहना की और सुझाव दिया कि इसके लिए एक समिति बनाकर समय-समय पर समीक्षा की जाए कि कितना कार्य पूरा हुआ और कितना शेष है। उन्होंने जनप्रतिनिधियों से आह्वान किया कि वे अपने क्षेत्र के विश्वविद्यालयों में हो रहे कार्यक्रमों में समय दें और हर संभव सहयोग प्रदान करें।

राज्यपाल जी ने बाल विवाह और दहेज प्रथा जैसी सामाजिक कुरीतियों के खिलाफ जागरूकता फैलाने के लिए विश्वविद्यालयों और महाविद्यालयों को साइकिल रैली निकालने का भी निर्देश दिया। उन्होंने कहा कि दहेज प्रथा के कारण कई बेटियां परेशान हैं और कई महिलाएं व उनके छोटे बच्चे जेल में रहने को मजबूर हो जाते हैं। विद्यार्थियों को समाज में जागरूकता फैलाने के लिए आगे आना चाहिए और स्वयं संकल्प लेना चाहिए कि वे न दहेज लेंगे और न ही इसका समर्थन करेंगे। उन्होंने कहा कि जब विद्यार्थी इस प्रतिज्ञा को अपनाएंगे, तभी समाज में सकारात्मक परिवर्तन आएगा।

कार्यक्रम में सहकारिता एवं उत्तर पूर्वी क्षेत्र विकास, भारत सरकार के राज्य मंत्री श्री बी. एल. वर्मा, उत्तर प्रदेश की उच्च शिक्षा राज्य मंत्री श्रीमती रजनी तिवारी, विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. के.पी. सिंह तथा विशिष्ट अतिथि सांसद बरेली श्री छत्रपाल गंगवार ने भी अपने विचार व्यक्त किए तथा विश्वविद्यालय की उपलब्धियों की सराहना करते हुए विद्यार्थियों को उज्ज्वल भविष्य के लिए शुभकामनाएं दीं।

इस अवसर पर विश्वविद्यालय के कार्य परिषद व विद्या परिषद के सदस्यगण, जनप्रतिनिधिगण, प्रशासनिक अधिकारीगण, विश्वविद्यालय के शिक्षक व कर्मचारीगण, विद्यार्थी तथा अन्य सम्मानित गणमान्य (ऑनलाइन एवं ऑफलाइन) उपस्थित रहे।

डॉ0 संगीता चैधरी,

सूचना अधिकारी, राजभवन

मो0: 9161668080